दिनांक 05 सतम्बर 2021 र ववार को आजादी के अमृत महोत्सव एवं अग्रवाल कॉलेज की स्वर्ण जयंती के अवसर पर व्याख्यान माला पुष्प - 3 का आयोजन कया गया I पुष्प- 3 के अंतर्गत शक्षक दिवस के अवसर पर मुख्य वक्ता एवं मुख्य अति थ के रूप में राष्ट्रीय संयोजक चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व वकास (शक्षा संस्कृति उत्थान न्यास) श्री देशराज शर्मा रहे I कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ० कृष्ण कांत गुप्ता ने की I मुख्य वक्ता देशराज शर्मा ने व्यक्तित्व निर्माण एवं राष्ट्र वकास में प्रेरक शक्ति के रूप में शक्षक वषय पर प्रकश डालते हुए कहा कराष्ट्र के निर्माण में शक्षक की भू मका सर्वा धक महत्वपूर्ण मानी गयी है है I दुनिया में यदि कसी के आगे राष्ट्र निर्माता का वशेषण लगाया जा सकता है तो वह केवल अध्यापक है I आज हमें वद्यार्थी का सर्वांगीण वकास करना है तो हमें आई क्यू के साथ ई क्यू बढ़ाने पर भी जोर देना होगा I ज्ञानी वही कहलाता है जो अपने ज्ञान को जीवन के क्षेत्र में क्रयान्वन कर सके I उन्होंने कहा क शक्षक दिवस के हमें संकल्प लेना चाहिए क हमें शैक्ष णक ज्ञान के साथ संस्कार मूलक शक्षा भी छात्र छात्राओं को देनी चाहिए I

अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य डॉ० कृष्ण कांत गुप्ता ने कहा क शक्षा को धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष मूलक होना चाहिए । एक सफल शक्षक वह जो अपने वद्यार्थी का सर्वांगीण वकास कर सके। राष्ट्र के निर्माण में हर काल में शक्षक वर्ग की भू मका सबसे बड़ी रही है ।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी वभागाध्यक्ष कार्यक्रम संयोजक डॉ० अशोक निराला ने कया। इस ऑनलाइन संगोष्ठी में 200 से अ धक प्रतिभा गयों ने भाग लयाकार्यक्रम कार्यक्रम के अंत में प्रश्न सत्र भी रखा गया जिसमें मुख्य वक्ता ने अनेक प्रतिभा गयों की जिज्ञासा को शांत कया। अंत में कार्यक्रम संयोजक सह-आचार्य डॉ० डॉ० जयपाल संह ने मुख्य अति थ एवं सभी वदत्त समाज का धन्यवाद कया